Yugal Sarkar Hai Sar Par, Tasalli Dil Mein Rehti Hai Lyrics in Hindi and English

Yugal Sarkar Hai Sar Par, Tasalli Dil Mein Rehti Hai Lyrics in Hindi

युगल सरकार हैं सिर पर, तसल्ली दिल में रहती है,
किसी की नाव पानी में,मेरी रेत्ती में चलती है,
युगल सरकार हैं सिर पर, तसल्ली दिल में रहती है,

सदासे पल रहा हुं मैं,उन्हीं की छत्र छाया में,
मुसिबत की घड़ी उनकी,कृपा से युंहीं चलती है,
किसी की नाव पानी में,मेरी रेत्ती में चलती है,
युगल सरकार हैं सिर पर, तसल्ली दिल में रहती है,

दिया करता हुं जब-जब छैड़,मैं इस दिल के तारों को,
सदा राधे श्याम सुंदर की,मधुर धुवनीं ही निकलती है,
किसी की नाव पानी में,मेरी रेत्ती में चलती है,
युगल सरकार हैं सिर पर, तसल्ली दिल में रहती है,

नाम रस बिन्दूं में डुबा,रहुं दिन रात अब युहीं,
मिली है ऐसी दोलत जो,बड़ी मुश्किल से मिलती है,
किसी की नाव पानी में,मेरी रेत्ती में चलती है,
युगल सरकार हैं सिर पर, तसल्ली दिल में रहती है,

गले से श्याम सुंदर जी,मुझे निश्चित लगायेंगें,
ह्रदय में दास के आशा,यही दिन रात पलती है,
किसी की नाव पानी में, मेरी रेत्ती में चलती है,
युगल सरकार हैं सिर पर,तसल्ली दिल में रहती है,
किसी की नाव पानी में,मेरी रेत्ती में चलती है,

Yugal Sarkar Hai Sar Par, Tasalli Dil Mein Rehti Hai Lyrics in English

Yugal Sarkar hain sir par, tasalli dil mein rahti hai,
Kisi ki naav paani mein, meri retti mein chalti hai,
Yugal Sarkar hain sir par, tasalli dil mein rahti hai.

Sada se pal raha hun main, unhi ki chhatra chhaya mein,
Musibat ki ghadi unki, kripa se yunhi chalti hai,
Kisi ki naav paani mein, meri retti mein chalti hai,
Yugal Sarkar hain sir par, tasalli dil mein rahti hai.

Diya karta hun jab-jab chhed, main is dil ke taaron ko,
Sada Radhe Shyam Sundar ki, madhur dhwani hi nikalti hai,
Kisi ki naav paani mein, meri retti mein chalti hai,
Yugal Sarkar hain sir par, tasalli dil mein rahti hai.

Naam ras bindun mein duba, rahun din raat ab yunhi,
Mili hai aisi daulat jo, badi mushkil se milti hai,
Kisi ki naav paani mein, meri retti mein chalti hai,
Yugal Sarkar hain sir par, tasalli dil mein rahti hai.

Gale se Shyam Sundar ji, mujhe nishchit lagaenge,
Hriday mein daas ke asha, yehi din raat palti hai,
Kisi ki naav paani mein, meri retti mein chalti hai,
Yugal Sarkar hain sir par, tasalli dil mein rahti hai,
Kisi ki naav paani mein, meri retti mein chalti hai.

About Yugal Sarkar Hai Sar Par, Tasalli Dil Mein Rehti Hai Bhajan in English

“Yugal Sarkar Hai Sar Par, Tasalli Dil Mein Rehti Hai” is a heartfelt devotional bhajan dedicated to **Lord Radha-Krishna**, expressing deep faith, peace, and devotion. The bhajan highlights the profound connection between the devotee and the divine couple, **Radha and Krishna**, who are referred to as **Yugal Sarkar** (the divine couple) in this bhajan. The lyrics

depict the sense of comfort and security that the devotee feels when they are under the divine protection of Lord Radha-Krishna, no matter the challenges faced in life.

- **Divine Protection and Peace:** The central theme of the bhajan is the sense of **peace** and **assurance** that the devotee feels when they surrender to the divine protection of **Yugal Sarkar**. “Yugal Sarkar hai sar par, tasalli dil mein rahti hai” translates to the divine couple’s protection being felt like a shield over the devotee, giving them peace in their hearts. No matter what difficulties come, the devotee feels calm knowing they are under their protection.
- **Support During Difficult Times:** The bhajan emphasizes how the devotee has always been sheltered by Radha and Krishna’s grace. “Sada se pal raha hun main, unhi ki chhatra chhaya mein” refers to the devotee’s belief that they have always been nurtured by Radha and Krishna’s blessings and will continue to be guided by them through every obstacle.
- **Joy in Chanting Krishna’s Name:** The bhajan expresses the joy of chanting the names of **Radha** and **Krishna**, with **their divine presence** resonating in the devotee’s life. “Diya karta hun jab-jab chhed, main is dil ke taaron ko” reveals how the devotee’s heart is filled with devotion and love for Krishna every time they chant his name, experiencing spiritual bliss.
- **Spiritual Wealth and Fulfillment:** The bhajan also reflects how the devotee feels blessed spiritually by the grace of Radha-Krishna. “Mili hai aisi daulat jo, badi mushkil se milti hai” indicates that the true wealth the devotee has received is spiritual and comes from the love and grace of Radha and Krishna, which is far more valuable than any material possession.
- **Divine Surrender and Hope:** The bhajan concludes by emphasizing the **complete surrender** to **Lord Krishna**, with the hope that they will guide the devotee to spiritual fulfillment. “Gale se Shyam Sundar ji, mujhe nishchit lagaenge” expresses the devotee’s faith that Krishna will hold them close and guide them, reassuring them of the divine love that awaits.

Overall, “Yugal Sarkar Hai Sar Par, Tasalli Dil Mein Rehti Hai” is a beautiful expression of **faith**, **devotion**, and **peace** in the presence of Lord **Radha-Krishna**. The bhajan portrays the trust and comfort that the devotee experiences by surrendering to the divine couple, knowing that with them, all challenges can be overcome and true peace and fulfillment are guaranteed. It highlights the loving relationship between the devotee and Krishna, and the profound sense of security that comes from their divine grace.

About Yugal Sarkar Hai Sar Par, Tasalli Dil Mein Rehti Hai Bhajan in Hindi

“युगल सरकार है सिर पर, तसल्ली दिल में रहती है” एक अत्यंत भक्ति से भरा और भावपूर्ण भजन है जो **भगवान श्री कृष्ण** और **माँ राधा** की दिव्य जोड़ी, **युगल सरकार**, के प्रति भक्त की गहरी श्रद्धा और विश्वास को व्यक्त करता है। इस भजन में भक्त अपनी चिंताओं और जीवन की कठिनाइयों से मुक्ति के लिए युगल सरकार के आशीर्वाद और संरक्षण की प्रार्थना करता है। यह भजन यह बताता है कि जब भगवान राधा-कृष्ण की शरण में आकर भक्त उन्हें अपने सिर पर अपना संरक्षक मानता है, तो उसे दिल में शांति और तसल्ली मिलती है।

- **दिव्य संरक्षण और शांति :** भजन की मुख्य भावना यह है कि जब भगवान राधा और कृष्ण की जोड़ी भक्त के सिर पर संरक्षक रूप में रहती है, तो भक्त को हर परेशानी और चिंता से मुक्ति मिलती है। “युगल सरकार है सिर पर, तसल्ली दिल में रहती है” पंक्ति में यह कहा गया है कि भगवान श्री कृष्ण और राधा की शरण में रहते हुए भक्त के दिल में शांति और संतोष का अनुभव होता है।
- **भगवान की कृपा से जीवन में सुरक्षा :** भजन में यह भी दर्शाया गया है कि भक्त ने हमेशा से अपनी जिंदगी को राधा-कृष्ण की शरण में रखा है। “सदा से पल रहा हूं मैं, उन्हीं की छत्रछाया में” पंक्ति में यह बताया गया है कि भगवान राधा-कृष्ण के आशीर्वाद से भक्त को हमेशा संरक्षण और मार्गदर्शन मिलता है।
- **नाम-जप और भक्ति का महत्व :** भजन में भक्त के नाम-जप करने और कृष्ण के प्रेम में बंधने की बात की गई है। “दिया करता हूं जब-जब छेड़, मैं इस दिल के तारों को” पंक्ति में भक्त के दिल में भगवान श्री कृष्ण के प्रति प्रेम और भक्ति का वर्णन किया गया है। जब भक्त भगवान के नाम का जप करता है, तो वह आत्मिक रूप से प्रसन्न हो जाता है।
- **आध्यात्मिक समृद्धि और आशीर्वाद :** भजन में यह भी व्यक्त किया गया है कि भगवान राधा और कृष्ण की कृपा से भक्त को वास्तविक समृद्धि और आशीर्वाद मिलता है, जो कि सांसारिक चीजों से कहीं अधिक मूल्यवान है। “मिली है ऐसी दौलत जो, बड़ी

मुश्किल से मिलती है" पंक्ति में यह समझाया गया है कि राधा-कृष्ण का आशीर्वाद ही असली समृद्धि है।

- **भगवान के प्रति पूरी श्रद्धा और समर्पण :** भजन का समापन इस विश्वास के साथ होता है कि भक्त भगवान श्री कृष्ण की शरण में पूर्ण समर्पण और श्रद्धा से रहेगा। "गले से श्याम सुंदर जी, मुझे निश्चित लगायेंगे" पंक्ति में भक्त का विश्वास दिखाया गया है कि भगवान श्री कृष्ण उसे अपनी शरण में लेंगे और उसके जीवन को और भी सुंदर बनाएंगे।

कुल मिलाकर, "युगल सरकार है सिर पर, तसल्ली दिल में रहती है" भजन भगवान राधा और कृष्ण की दिव्य जोड़ी के प्रति भक्त की पूरी श्रद्धा और विश्वास का परिचायक है। यह भजन भक्त को उनके जीवन में शांति, सुरक्षा और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। जब भगवान राधा और कृष्ण की शरण में आकर व्यक्ति अपने जीवन को उनके हाथों में सौंपता है, तो वह न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और आत्मिक शांति का अनुभव करता है।